

जहाँ ताजिए दफन किए जाएँ 3. वह स्थान जहाँ पानी न मिले।

**करभ** पुं. (तत्.) 1. हथेली के पीछे का भाग 2. ऊँट का बच्चा 3. हाथी का बच्चा 4. ऊँट 5. कटि, कमर 6. दोहे का एक भेद 7. 'नख' नामक सुगंधित पदार्थ।

**करभार** पुं. (तत्.) कर का बोझ।

**करम** पुं. (अर.) 1. मेहरबानी 2. एक प्रकार का गोंद या पश्चिमी गुग्गुल जो अरब या अफ्रीका से आता है।

**करम** पुं. (तद्.) कर्म, काम, करनी।

**करमकल्ला** पुं. (अर.+देश.) बंदगोभी, पातगोभी।

**करमधरम** पुं. (तद्.) आचार व्यवहार मुहा. करम फूटना- भाग्य मंद होना; करम टेढ़ा होना- भाग्य का साथ न देना करम का धनी- जिसका भाग्य प्रबल हो, करम रेखा- भाग्य का लिखा।

**करमरेख** स्त्री. (तद्.) दे. कर्मरेखा।

**करमहीन** वि. (तद्.) दे. कर्महीन।

**करमुक्त** वि. (तत्.) कर से मुक्त 2. फेंका हुआ।

**करमुखा** वि. (तद्.) कलमुखा, जिसका मुख काला हो ऐसा व्यक्ति या अन्य जीव, काले मुँह वाला, कलमुहाँ, कलंकित पुं. लंगूर।

**करमुखी** वि. (तद्.) काले मुख वाली, कलमुँही।

**करमुहाँ/करमुँहा** वि. (तद्.) 1. कलमुँहा, काले मुख वाला 2. कलंकित पुं. लंगूर स्त्री. करमुही वि. काले मुँह वाली, कलमुँही, कलंकिता।

**कररना/करराना** अ.क्रि. (अनु.) 1. कठोर और कर्कश स्वरकरना 2. कड़ा पड़ना 3. चरमराकर टूट पड़ना।

**कररान** स्त्री. (देश.) धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाने या धनुष खींचने का शब्द।

**कररी (करी)** वि. (देश.) (कड़ी) कड़ी, करी उदा. तेग कमान गही कररी-कवि गंग क. (369)।

**कररूह** पुं. (तत्.) नख, नाखून, कर अर्थात् हाथ से उगा हुआ अंगला भाग।

**कररेचकरत्न** स्त्री. (तत्.) नृत्य क्रिया में हाथ घुमाने-फिराने की एक जटिल मुद्रा।

**करल** वि. (तद्.) जो हाथ या मुट्ठी भर हो उदा. तीखा लोयण, कटि करल-ढोला (459)।

**करली** स्त्री. (तद्.) कल्ली, कोमल पत्तियों युक्त पौधे या डाल का ऊर्ध्व भाग 2. कौपल, फुनगी।

**करलुरा** पुं. (देश.) सफेद तथा गुलाबी फूलों वाली काँटेदार बेल।

**करवंचक** वि. (तत्.) कर की चोरी करने वाला, टैक्स या कर देने से बचने वाला पुं. जो कर या टैक्स चालाकी से बचाता हो ऐसा व्यक्ति, कर चुराने (बचाने) वाला चालाक आदमी।

**करवंचन** स्त्री. (तद्.) चतुराई या चालाकी से टैक्स बचा लेने की क्रिया या भाव। tax evader

**करवट** स्त्री. (तद्.) (तत्. "करवर्त"-पहाड़ की ढाल) 1. हाथ के बल लेटने की मुद्रा, दाएँ या बाएँ पार्श्व पर लेटना 2. ढंग 3. पहलू जैसे- भोजन के उपरांत कुछ देर बायीं करवट लेटना चाहिए, करवट दायीं ओर या बायीं ओर-दो ही प्रकार से संभव होता है मुहा. 1. करवट बदलना-पलटा खाना, और का और हो जाना, एक पक्ष छोड़कर दूसरी ओर आ जाना 2. करवटों में रात काटना-व्याकुलता, बेचैनी या उत्कंठा में रात बिताना 3. करवट न लेना- किसी उत्तरदायित्व या कर्तव्य का ध्यान न रखना। कुछ न करना, खबर न लेना 4. करवटें बदलना-बिस्तर पर बेचैन रहना, तड़पते रहना 5. करवट लेना-जागना, सचेत हो जाना, सोते समय एक पहलू से दूसरे पहलू होना।

**करवत** पुं. (तद्.) (करपत्र) आरा, लकड़ी चीरने का औजार उदा. काशी करवत लेना-काशी में मुक्ति पाने के लिए मरने की प्राचीन रीति उदा. तेरे कारन जोगिन हूँगी, करवत लूँगी- काशी-मीरा (पद 49)।

**करवतिया** वि. (देश.) आरा चलाने वाला, लकड़ी चीरने वाला पुं. लकड़ी चीरने वाला व्यक्ति।

**करवर** स्त्री. (तत्.+तद्.+कर-बल) भुजा या बाहुबल